# भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में "मिलेट में उत्पादकता और मूल्यवर्धन बढ़ाने को वैज्ञानिकों ने लिया संकल्प

इस विषय पर निदेशक डॉ त्रिवेणी दत्त, संयुक्त निदेशक केडराड डॉ. के.पी. सिंह संयुक्त निदेशक, शेक्षणिक डॉ एस के मेंदीरता, संयुक्त निदेशक, शोध डॉ एस. के. सिंह सहित संस्थान के विभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने मिलेट में उत्पादकता और मूल्यवर्धन बढ़ाने पर शनिवार अपराह्न अकादमिक चर्चा की।

डॉक्टर त्रिवेणी दत्त ने कहा की उनका प्रयास होगा कि मिलेट उत्पादकता के लिए आईवीआरआई क्या प्रयास कर सकता है इसके लिए यहां वैज्ञानिकों चर्चा की जाएगी और उनका पूरा प्रयास होगा कि प्रधानमंत्री के संदेश को वैज्ञानिकों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं ।

इससे पूर्व दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर माननीय प्रधानमंत्री के उद्घाटन संबोधन का सजीव प्रसारण सुना एवं देखा गया । माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मिलेट को श्री अन्न के रूप में पहचान दिलायी, मिलेट की खेती से 2.5 करोड़ किसान जुड़े हैं तथा भारत में कम पानी में ज्यादा श्री अन्न फसल तथा इसमें केमिकल की जरूरत नहीं के बारे में बताया गया। प्रसारण में बताया गया कि विभिन्न जलवायु में भी मिलेट का उत्पादन किया जा सकता अर्थात जलवायु परिवर्तन में मिलेट्स उपयुक्त फसले है ।12-13 राज्यों में होती है खेती ।हाइ फ़ाईबर वाले अन्न को शरीर के लिए बहुत फायदेमंद माना गया है ।

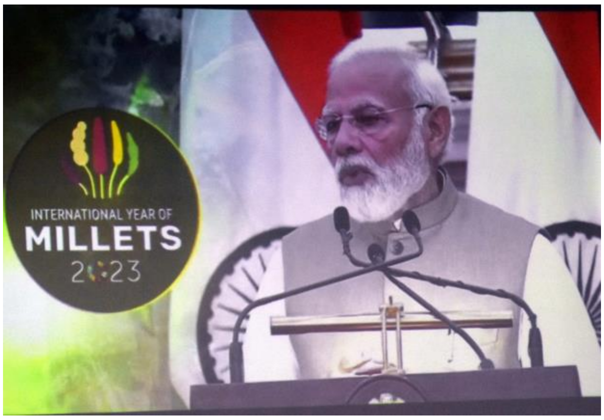

इस अवसर पर बरेली जनपद के किसानों ने भी बढ़ी संख्या में भाग लिया तथा प्रधानमंत्री श्नरेंद्र सिंह मोदी एवं कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा सजीव प्रसारण में उनके द्वारा दिये गए उद्बोधन को सुना तथा आत्मसात किया। प्रधानमंत्री द्वारा जारी किए गए डाक टिकट व सिक्के का सभी उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ स्वागत किया । किसानों ने माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा मोटे अनाज को श्री अन्न के रूप में पहचान दिलाने ले लिए उनका आभार भी किया ।

कृषि विज्ञान के प्रभारी डॉ बी. पी. सिंह द्वारा किसानों को मिलेट की खेती के बारे में बताया तथा श्री राकेश पांडे एवं श्रीमती वाणी यादव द्वारा पाकृतिक खेती पर ब्याख्यान भी दिया गया । इस अवसर पर मिलेट से बने व्यंजनों को सराहा । इस कार्यक्रम में 85 महिलाओं सहित कुल 307 लोगों ने ने अपनी सहभागिता दर्ज की।

MILLETS